1 भाषा, लिपि और व्याकरण

(LANGUAGE, SCRIPT AND GRAMMAR)

भाषा

भाषा के विषय में हम पिछली कक्षाओं में भी पढ़ चुके हैं। इसके विषय में और गहराई से जानें।

दो सहेलियाँ आपस में बातें कर रही हैं।

अध्यापिका लिखकर बच्चों को पढ़ा रही हैं।

पहले चित्र में जूही बोलकर महक से कुछ पूछ रही है और महक सुनकर उसकी बातों का उत्तर दे रही है। दूसरे चित्र में अध्यापिका लिखकर अपनी बात बता रही हैं और बच्चे पढ़कर उनकी बात समझ रहे हैं।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि हम अपनी बात बोलकर या लिखकर दूसरों तक पहुँचाते हैं और दूसरे उसे सुनकर या पढ़कर समझते हैं। यही प्रक्रिया भाषा कहलाती है। अतः हम कह सकते हैं कि –

भावों और विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम को भाषा कहते हैं।

पशु-पक्षी भी ध्वनियों और संकेतों के द्वारा अपने विचार व्यक्त करते हैं। मनुष्य सर्वश्रेष्ठ प्राणी है। वह अपने विचारों को बोलकर या लिखकर व्यक्त करता है और दूसरों के विचारों को सुनकर या पढ़कर समझता है।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप होते हैं – मौखिक भाषा और लिखित भाषा।

मौखिक भाषा : मन के भावों और विचारों को बोलकर प्रकट करना मौखिक भाषा है। यह रूप सहज होता है और इसका प्रयोग व्यापक रूप से किया जाता है। मौखिक भाषा का रूप अस्थायी होता है। परंतु अब भाषा के इस रूप को टेप करके कैसेट्स में सुरक्षित रखा जाने लगा है।

लिखित भाषा : मन के भावों और विचारों को लिखकर प्रकट करना लिखित भाषा है। भाषा का यह रूप मौखिक भाषा की अपेक्षा सीमित परंतु स्थायी होता है। ज्ञान का समस्त भंडार लिखित रूप में सुरक्षित है।

बोली और भाषा

भाषा के जिस रूप को क्षेत्रीय स्तर पर बोला जाता है, उसे बोली कहते हैं। जैसे – उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड में बोली जाने वाली बोली बुंदेलखंडी है। इसी प्रकार भोजपुरी, मैथिली, छत्तीसगढ़ी और राजस्थानी बोलियाँ अपने-अपने क्षेत्रों में बोली जाती हैं।

बोली और भाषा में विशेष अंतर यह है कि बोली किसी विशेष क्षेत्र तक सीमित होती है, जबकि भाषा का क्षेत्र व्यापक होता है। बोली का साहित्य मौखिक और भाषा का साहित्य लिखित होता है।

मातृभाषा और राष्ट्रभाषा

जो भाषा हम अपने माता-पिता अथवा घर के सदस्यों से सीखते हैं वह हमारी मातृभाषा कहलाती है।

जिस भाषा का प्रयोग पूरे राष्ट्र में होता है, वह राष्ट्रभाषा कहलाती है। भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी है। हिंदी को 14 सितंबर, 1949, को राजभाषा के रूप में मान्यता प्रदान की गई। इसलिए प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

भारत के संविधान में 22 भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई है, जो इस प्रकार हैं –

1. हिंदी 2. संस्कृत 3. पंजाबी 4. बंगाली 5. कश्मीरी 6. उर्दू 7. उड़िया 8. असमिया 9. तेलुगु 10. तमिल 11. मणिपुरी 12. मराठी 13. सिंधी 14. बोड़ो 15. मलयालम 16. कोंकणी 17. नेपाली 18. संथाली (संताली) 19. गुजराती 20. डोगरी 21. कन्नड़ 22. मैथिली।

भारत के कुछ प्रदेशों तथा विश्व के कुछ देशों की प्रमुख भाषाएँ इस प्रकार हैं –

प्रदेश	गुजरात	आंध्रप्रदेश	महाराष्ट्र	पंजाब	केरल	तमिलनाडु
भाषा	गुजराती	तेलुगु	मराठी	पंजाबी	मलयालम	तमिल

देश	भारत	रूस	चीन	जापान	फ्रांस	इंग्लैंड
भाषा	हिंदी	रूसी	चीनी	जापानी	फ्रांसीसी	अंग्रेज़ी

लिपि

बोलते समय हमारे मुख से कुछ ध्वनियाँ निकलती हैं। इन ध्वनियों को लिखने के लिए कुछ चिह्न निर्मित किए गए हैं। इन चिह्नों को लिपि कहते हैं।

भाषा लिखने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है उन्हें लिपि कहते हैं।

संसार में अलग-अलग भाषाएँ विभिन्न लिपियों में लिखी जाती हैं। हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है। संसार की कुछ भाषाओं की लिपियों के नाम इस प्रकार हैं –

भाषा	लिपि	भाषा	लिपि
हिंदी	देवनागरी	पंजाबी	गुरुमुखी
संस्कृत	देवनागरी	बंगाली	बंगला
अंग्रेज़ी	रोमन	फ्रेंच	रोमन
उर्दू	फ़ारसी	जर्मन	रोमन

व्याकरण

यह आवश्यक है कि हम जो कुछ भी बोले या लिखें, वह शुद्ध हो। भाषा को शुद्ध रूप में बोलने या लिखने के लिए व्याकरण की आवश्यकता होती है।

व्याकरण वह शास्त्र है जो हमें भाषा को शुद्ध रूप में बोलने और लिखने का ज्ञान कराता है।

यदि हमें व्याकरण के नियमों का ज्ञान नहीं है, तो हम भाषा का प्रयोग सही रूप में नहीं कर सकते। जैसे –

अशुद्ध	शुद्ध
गाय घास चर रहा है।	गाय घास चर रही है।
कुत्ता भौंक रहे हैं।	कुत्ता भौंक रहा है।
तितलियाँ उड़ रही है।	तितलियाँ उड़ रही हैं।

याद रखो

- विचारों के आदान-प्रदान के साधन को भाषा कहते हैं।
- भाषा दो प्रकार की होती है – मौखिक तथा लिखित।
- भाषा का क्षेत्रीय रूप बोली कहलाता है।
- भाषा को लिखने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग करते हैं, उन्हें लिपि कहते हैं।
- व्याकरण वह शास्त्र है जो हमें किसी भाषा को शुद्ध रूप से बोलना तथा लिखना सिखाता है।

अभ्यास

1. **सही उत्तर पर (✓) चिह्न लगाओ:**

(क) भाषा के कितने रूप होते हैं?

दो ☐ तीन ☐ चार ☐

(ख) ज्ञान का समस्त भंडार इस रूप में सुरक्षित है।

मौखिक ☐ लिखित ☐ सांकेतिक ☐

(ग) भारत के संविधान के द्वारा कितनी भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई है?

18 ☐ 22 32 ☐

2. इन क्रियाओं में भाषा का कौन-सा रूप प्रयोग होता है, (✓) का चिह्न लगाओ :

(क)	एस.एम.एस. करना	लिखित	☐	मौखिक	☐
(ख)	ई-मेल करना	लिखित	☐	मौखिक	☐
(ग)	पत्र लिखना	लिखित	☐	मौखिक	☐
(घ)	दादी का कहानी सुनाना	लिखित	☐	मौखिक	☐
(ङ)	मोबाइल पर गाना सुनना	लिखित	☐	मौखिक	☐

3. सही कथनों के आगे (✓) और गलत कथनों के आगे (✗) लगाओ :

(क) मन के भावों को केवल बोलकर प्रकट किया जा सकता है। ☐

(ख) मौखिक भाषा, भाषा का अस्थायी रूप है। ☐

(ग) भाषा और बोली में अंतर होता है। ☐

(घ) हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। ☐

(ङ) प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है। ☐

4. नीचे दी गई लिपियों से संबंधित सही भाषा पर (✓) लगाओ :

(क)	रोमन	☐	पंजाबी	☐	अंग्रेज़ी	☐	अरबी	☐
(ख)	देवनागरी	☐	चीनी	☐	गुरुमुखी	☐	संस्कृत	☐
(ग)	गुरुमुखी	☐	जापानी	☐	पंजाबी	☐	फ़ारसी	☐
(घ)	बांग्ला	☐	बांग्ला	☐	देवनागरी	☐	लेटिन	☐
(ङ)	फ़ारसी	☐	संस्कृत	☐	उर्दू	☐	तमिल	☐

5. सही शब्दों द्वारा वाक्यों को पूरा करो :

(क) .... भाषा का रूप सहज होता है।

(ख) भाषा का क्षेत्रीय रूप .... है।

(ग) .... का क्षेत्र व्यापक होता है।

(घ) हिंदी भाषा की लिपि .... है।

(ङ) .... हमें भाषा को शुद्ध रूप में बोलने और लिखने का ज्ञान कराता है।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(क) भाषा से क्या तात्पर्य है?

....

....

(ख) भाषा के कितने रूप होते हैं?

....

....

(ग) बोली और भाषा में अंतर स्पष्ट करो।

....

....

(घ) लिपि किसे कहते हैं, किन्हीं चार भाषाओं की लिपियों के नाम बताओ।

....

....

(ङ) व्याकरण से आप क्या समझते हैं?

....

....

करो और सीखो

1. आप छुट्टियों में घूमने अवश्य गए होंगे। किन्हीं तीन जगहों की भाषाओं के बारे में लिखो –

जगह का नाम	भाषा	लिपि
....	....	....
....	....	....
....	....	....

2. ब्रेल लिपि ऐसे लोगों के लिए है जो देख नहीं सकते। इस विधि में प्रत्येक अक्षर के लिए कुछ बिंदु होते हैं। जो कागज़ पर उभरे हुए होते हैं। उन्हें उंगली से छूकर पढा जाता है।

ब्रेल लिपि का आविष्कार फ्रांस के लुई ब्रेल ने किया था। लुई ब्रेल जन्म से ही दृष्टिहीन थे। उन्होंने इस लिपि का अविष्कार 15 वर्ष की आयु में किया था।

इंटरनेट से ब्रेल लिपि और लुई ब्रेल के बारे में और अधिक जानकारी एकत्र करो।

लुई ब्रेल

ब्रेल लिपि पढ़ता दृष्टिहीन